>

Title: Need for completion of a Project on Narmada in the Jalore Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): सभापति महोदय, हर सत्र में मेरी एक ही मांग रहती है कि नर्मदा का पानी जो जालौर में गुजरात से प्रवेश कर चुका है और मैं जब भी बोलता हूं तो आप ही विराजमान होते हैं। " जल ही जीवन है" लेकिन हमारे यहां तो जल ने हमारे जीवन को तहस-नहस कर दिया है। जब नर्मदा का पानी आया तो माननीया वसुंधरा जी ने एक प्रोजैक्ट बनाया था पूरे जालौर और सिरोही के 100 गांवों को पानी मिलेगा जिससे वहां जल में फ्लोराइड की मात्रा कम होगी और वहां के लोगों की पानी की समस्या भी दूर होगी। लेकिन वर्तमान सरकार ने एक ही रट लगाई, जबकि केन्द्र से फंड भी गया और केन्द्र ने मुझे बोला कि करीब एक हजार करोड़ रुपये की फंडिंग भी हमने की है लेकिन हमारे वहां पर नर्मदा का पानी सांचोर से आगे नहीं बढ़ पाया है, जिसकी वजह से जब पानी की आवक बढ़ जाती है तो उस पानी को लूड़ी नदी में छोड़ना पड़ता है और लूड़ी नदी के माध्यम से पूरे सांचोर में बाढ़ के आसार बन जाते हैं। अभी पिछले दिनों दो ट्रैक्टर वाले जो अनुसूचित जाति, जनजाति के थे वे जब ट्रैक्टर लेकर वहां से गुजर रहे थे, वहां इतना पानी आ गया कि वे ट्रैक्टर समेत वहां गिर गये और उनकी वहीं मृत्यु हो गयी। प्रशासन ने करीब 48 घंटे तक कोई जानकारी नहीं जुटाई और मृतक की बॉडी हमें तीन दिन के बाद में मिली।

जो नर्मदा का जल अमृत बनकर हमारे पास आया है, उसकी फंडिंग-पैसा यहां से जा रहा है, उस पैसे से वहां पर जो डैम बनाना है, अधिकारियों के कहने पर कि इसकी साइज छोटी कर दी जाए और उन्हें यह भी पता नहीं है कि जमीन के नीचे 10 फुट पर पानी है। लेकिन उन्होंने बोला कि इसे छोटा करके गहराई पर चले जाओ। जब गहराई पर गये तो वहां पानी आ गया, तब उन्होंने बोला कि यह प्रोजैक्ट फेल हो गया।

पिछले दिनों वहां का जो ठेकेदार था वह भाग गया और दूसरे लोग उस पर बकाये के कारण उसका सामान लेकर चले गये। ऐसी परिस्थिति में नर्मदा का पानी जो बेकार जा रहा है, केन्द्र अपनी एक टीम बनाए और केन्द्र के जो पैसे वहां लग रहे हैं उसका उचित उपयोग हो, उचित काम वहां पर हो और पूरे जालौर को पीने का पानी उपलब्ध हो और सिरोही के 100 गांवों को पानी मिले, तभी जाकर इस समस्या का हल हो सकता है।

मेरा निवेदन है कि जिन दो लोगों की वहां मृत्यु हुई थी वे एकदम गरीब लोग थे, उनके परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।

सभापति महोदय : डॉ किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी तथा श्री अर्जुन राम मेघवाल जी को श्री देवजी एम. पटेल जी के विषय के साथ सम्बद्ध किया जाता है।